

[illegible]

[illegible]

लुमधायनी न गुरु या य
 वषट् ॥ ॐ श्व साना यन
 मध्वये अयु यरुट् ॥ ५
 अर्चयागुयुजा ॥ अर्चय
 जा ॥ गतावाचयुजा ॥ ॐ ग
 लयतयनमः ॥ ॐ गुत्रुया
 नमः ॥ ॐ कृगयाचायनमः ॥
 ॐ दालयाचायनमः ॥ ॐ न
 निमनमः ॥ ॐ महाकाचाय
 नमः ॥ ॐ हं जि (न नमः ॥ ॐ
 विनायकायनमः ॥ ॐ वृथाय
 नमः ॥ ॐ सुन्यायनमः ॥ ॐ
 दधीनमः ॥ ॐ वलुयनमः ॥
 ॐ अयुयनमः ॥ अवातनादि
 ॐ धर्मायनमः ॥ ॐ शानाय
 नमः ॥ ॐ वेचाशायनमः ॥ ॐ न
 श्वयायनमः ॥ ॐ अर्धमाय
 नमः ॥ ॐ अरुनायनमः ॥ ॐ
 अवलाशायनमः ॥ ॐ अर्ध
 श्वयायनमः ॥ ॐ अर्धवृ
 नायनमः ॥ ॐ उडुदुन्यायनमः

ॐ श्री वाच भक्त्य नमः ॥ ॐ श्री न
 नासनाय नमः ॥ ॐ स्कन्दा भ
 नाय नमः ॥ ॐ नावा भनाय
 नमः ॥ ॐ अक्षना भनाय नमः ॥
 ॐ यद्वा भनाय नमः ॥ ॐ य
 ज्ञा भनाय नमः ॥ ॐ केशवा
 भनाय नमः ॥ ॐ कर्त्तृका भ
 नाय नमः ॥ ॐ सिंहा भनाय
 नमः ॥ ॐ आवाहन मन्त्रः ॥ ॐ श्री
 गुरु नन्द वदेव ॥ वृत्त संक्षे
 मह ॥ न । दा विड्ड ४ रवना
 साय ॥ मर्म सा ॥ मा धर्मा क
 द ॥ वादा द्य मन्त्रः ॥ ॐ श्री ना
 म्बका कर्त्तृका ॥ तावयादा
 द्य यत्कृत् ॥ मया विदीय
 ता नन्द व ॥ य ॥ कुरु लया
 य ॥ ॥ हस्त द्य मन्त्रः ॥ ॐ वृ
 खासन समासीनः ॥ ॐ वृ
 व ॥ मिह ॥ वचन ॥ धर्मा धर
 दनाथाय ॥ हस्त द्य ॥

दयामय ह्रीं ॥ ॐ श्वस्तु नमः
 म ॥ ॐ श्वस्तु नमः ॥
 गता ध्यान ॥ ॐ सुवर्णवर्ण
 दीर्घाणि । त्रिभुजा कमला
 यना । सिंहयद्रासनाय
 द्वा सर्वार्थकारहृयना ॥
 वरुणं जामदादवी जटा
 यः ॐ नमः ॥ ॐ नाला
 त्यलारुयावामः दक्षिण
 वचदाधुरा ॥ स्वर्णयमः ॥
 जीया ॥ ॐ वामदक्षिणया
 क्रमात्सर्वलक्षणस्य यम
 ॐ श्वस्तु नमः ॥
 श्वस्तु नमः ॥ श्वस्तु नमः ॥
 वृक्षं तमः ॥ ॐ त्रिया ॥
 ॐ को को ॥ ॐ जीया ॥ ॐ
 श्वस्तु नमः ॥ ॐ नमः ॥
 नमस्तु ॥ ॐ नमः ॥
 वचका मिता । मिगुबन्धमा
 ता ॥ ॐ त्रिया ॥
 नी । दशदिग्वायुः ॥

विष्णु वन्द्य वलुमथा मि
नी ॥ १६ ॥ स्मृती यत्र मन्त्रो
नमः ॥ १७ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ नमः ॥
द्वयं यद्वि ॥ १८ ॥ ॥ ॥ ॥
ॐ विष्णु यनमः ॥ १९ ॥ ॥ ॥
तायनमः ॥ २० ॥ ॥ ॥
यनमः ॥ २१ ॥ ॥ ॥
ॐ स्मृती यनमः ॥ २२ ॥ ॥ ॥
नमः ॥ २३ ॥ ॥ ॥
ॐ शंकराय नमः ॥ २४ ॥ ॥ ॥
तायनमः ॥ २५ ॥ ॥ ॥
ॐ उग्राय नमः ॥ २६ ॥ ॥ ॥
ॐ विष्णु यनमः ॥ २७ ॥ ॥ ॥
कवयि ॥ २८ ॥ ॥ ॥
तायनमः ॥ २९ ॥ ॥ ॥
मदनवा सिन्धु स हिताय
नमः ॥ ३० ॥ ॥ ॥
लाय स हिताय नमः ॥ ३१ ॥ ॥ ॥
मक ॥ ३२ ॥ ॥ ॥
यनमः ॥ ३३ ॥ ॥ ॥
मा स हिताय नमः ॥ ३४ ॥ ॥ ॥
ॐ यत्र वलुमथा मि

स हिताय नमः ॥ ३५ ॥ ॥ ॥
वेनाय ॥ ३६ ॥ ॥ ॥
यनमः ॥ ३७ ॥ ॥ ॥
रुद्राय स हिताय नमः ॥ ३८ ॥ ॥ ॥
महेश्वराय ॥ ३९ ॥ ॥ ॥
हिताय नमः ॥ ४० ॥ ॥ ॥
नमः ॥ ४१ ॥ ॥ ॥
वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ४२ ॥ ॥ ॥
वन्द्ये नमः ॥ ४३ ॥ ॥ ॥
गङ्गाय नमः ॥ ४४ ॥ ॥ ॥
विष्णु यनमः ॥ ४५ ॥ ॥ ॥
शंकराय नमः ॥ ४६ ॥ ॥ ॥
विष्णु यनमः ॥ ४७ ॥ ॥ ॥
ॐ विष्णु यनमः ॥ ४८ ॥ ॥ ॥
ॐ विष्णु यनमः ॥ ४९ ॥ ॥ ॥
ॐ विष्णु यनमः ॥ ५० ॥ ॥ ॥
ॐ विष्णु यनमः ॥ ५१ ॥ ॥ ॥
ॐ विष्णु यनमः ॥ ५२ ॥ ॥ ॥
ॐ विष्णु यनमः ॥ ५३ ॥ ॥ ॥
ॐ विष्णु यनमः ॥ ५४ ॥ ॥ ॥
ॐ विष्णु यनमः ॥ ५५ ॥ ॥ ॥
ॐ विष्णु यनमः ॥ ५६ ॥ ॥ ॥
ॐ विष्णु यनमः ॥ ५७ ॥ ॥ ॥
ॐ विष्णु यनमः ॥ ५८ ॥ ॥ ॥
ॐ विष्णु यनमः ॥ ५९ ॥ ॥ ॥
ॐ विष्णु यनमः ॥ ६० ॥ ॥ ॥

ॐ गंगा येनमः ॥ ॐ जमुना
येनमः ॥ ॐ सरस्वती येनमः ॥
ॐ नर्मदा येनमः ॥ ॐ का
वे येनमः ॥ ॐ गण्डक येनमः ॥
ॐ कोशिक येनमः ॥ ॐ वनका ग
येनमः ॥ ॐ सयमविहानमः
ॐ सयसागर येनमः ॥
ॐ अश्वसुमादि अश्वि
चक्रिवा येनमः ॥ ॐ संयु
क्त कलसायनमः ॥ आवाह
नादि ॥ जजामका सान ॥
गंगा गणयति यज ॥ ॥
ॐ गणयतयनमः ॥ ॐ वि
श्वव्यायनमः ॥ ॐ प्रकद
नयनमः ॥ ॐ लभादना
यनमः ॥ ॐ गजकलपयनमः
ॐ हसिमुखयनमः ॥
ॐ मनविनायकायनमः
ॐ गनप्रियतयनमः ॥ ॐ
रुनयक्षस विधुश्वनाय
नमः ॥ आवाहनादि जजामका
सान ॥

गंगा गणयति यज ॥ ॐ नर्मदा
येनमः ॥ ॐ कदायेनमः ॥ ॐ
समसायेनमः ॥ ॐ सालाये
नमः ॥ ॐ सूत्रयेनमः ॥ ॐ य
वगमाष्टक ह्या नमः ॥ आवाह
दि जजामका सान ॥ गंगा कोमा
नी यज ॥ ॐ वक्रा (ल्ये) नमः ॥
ॐ माहेश्वरी येनमः ॥ ॐ कोमा
येनमः ॥ ॐ वेष्टु येनमः ॥ ॐ
वाचा येनमः ॥ ॐ न्या (ल्ये) न
मः ॥ ॐ वामुल्य येनमः ॥ ॐ म
हालक्ष्मी नमः ॥ ॐ नवदुर्गा
येनमः ॥ ॐ यचाग क्रि नेमः ॥
ॐ शक्तिदसा येनमः ॥ ॐ
मयूरवाहनायेनमः ॥ ॐ व
क्लवना येनमः ॥ ॐ वामर
या येनमः ॥ ॐ कोमा वाम
हथेनमः ॥ आवाहनादि
जजामका सान ॥ गंगा वलि यज
ॐ वक्रा दन र्गयायनमः
ॐ चक्र के शि देवनायनमः ॥

[illegible]

ॐ वाङ्मनस्य नमः ॥ ॐ अश्व
 यरुदाय नमः ॥ ॐ अश्वमेधाय
 नमः ॥ ॐ वदवाय नमः ॥ ॐ वा
 यि नमः ॥ ॐ सधाजाता
 य नन्दादधी नमः ॥ ॐ वाम
 दवाय उमादधी नमः ॥ ॐ
 अथावाय अथ पश्वचीद
 धी नमः ॥ ॐ गायत्र्याय अ
 मतादधी नमः ॥ ॐ ॐ ॐ
 नाय स्वस्त्यादधी नमः ॥
 आवाहनादि ॥ नमः स्वा नमः ॥
 ॐ हिमाद्रि निरवधं जाता
 निर्मलं गुहिमा यमं । स्वा
 नसमर्थं तु स्यं ॥ ॐ स्वस्त्या
 यत्र भवति ॥ ॐ ॥ वन्दनमः ॥
 ॐ श्रीरवतु यन्दनं दिव्यं
 गायत्रीं सू मनाहवमया
 विष्णुं यि तं गायत्रीं गृह्यतां
 यत्र भवति ॥ ॐ ॥ गायत्री
 नमः ॥ ॐ गायत्रीं गायत्रीं

नाथसर्वथायिमहेश्वर
विलयितं कुरु ४८७५५५
यथैयतिगङ्गा ॥ सिन्धु
हं हाना ४ किंचलवहं डा।
सिन्धु न भा वरुषनं। प्र
तागरे सव्रला के ४। प्र
लंरुल सिद्धय ॥ ॥ ॥
शायवा ॥ ॥ ॥ ॥
संस्कृतं दिजसंस्कृतं
मं नवसुतं कुसंयुक्तं
सुसुतं युगं ॥ ॥ ॥
ॐ दुर्कलं यदुदवांगं नाना
वयुसुसा हिता यावत्तनु
संख्यानां सगुलकमही
यत ॥ ॥ ॥ ॥
कं विलययुं ययकं मद
ननुथा। प्रुलुलं म निलि
का ॥ ॥ ॥ ॥
कं ॥ ॥ ॥ ॥
आनंता निमृषुमं ॥ ॥
मालायुवा ॥ ॥ ॥ ॥

मालावडहमात्रिकानि
च। संयुक्त विविक्तुक्ता
गङ्गा यनमं ॥ ॥
डागियुवा ॥ ॥ ॥
सुगंधयै लक्ष्मी ४ कामरुल
यदं गङ्गा तं विरयं व
मदं वीयति गङ्गा ॥ ॥
यय ॥ ॥ ॥
रुधा यययुं यवायुय
गङ्गा नं ४ सुनाय ४ व
ययुं नमायुत ॥ ॥ ॥
त्यत ॥ ॥ ॥
व्यं नालात्यनसुदुर्क
नर्वध्वात्वातदादवी ॥ ॥
ययति गङ्गा ॥ ॥ ॥
दुर्वाकता ॥ ॥ ॥
निसवानि सव कि लि यना
यना ॥ ॥ ॥
दि वदुता ॥ ॥ ॥
दसन ॥ ॥ ॥
सहता ॥ ॥ ॥

[illegible]

दव वि सज्जन ॥ १ ॥
 वृ य न सु न स्व स न य ज
 गत्ये त म म वा नू य हा थ
 य यु न ना ग म न कू नू ॥
 व लि कु य ॥ अ रि ख का ॥ य
 न ना दि ॥ अ ह ॥ व ॥ अ
 द्य थ वि य ॥ सु य सा कि थ
 य ॥ या भ न ॥ ० ० ति ॥ व स
 ना व ग वि वि स मा य ॥ ४ ॥
 स्व स ना द वा या ति न सु ॥ ५ ॥

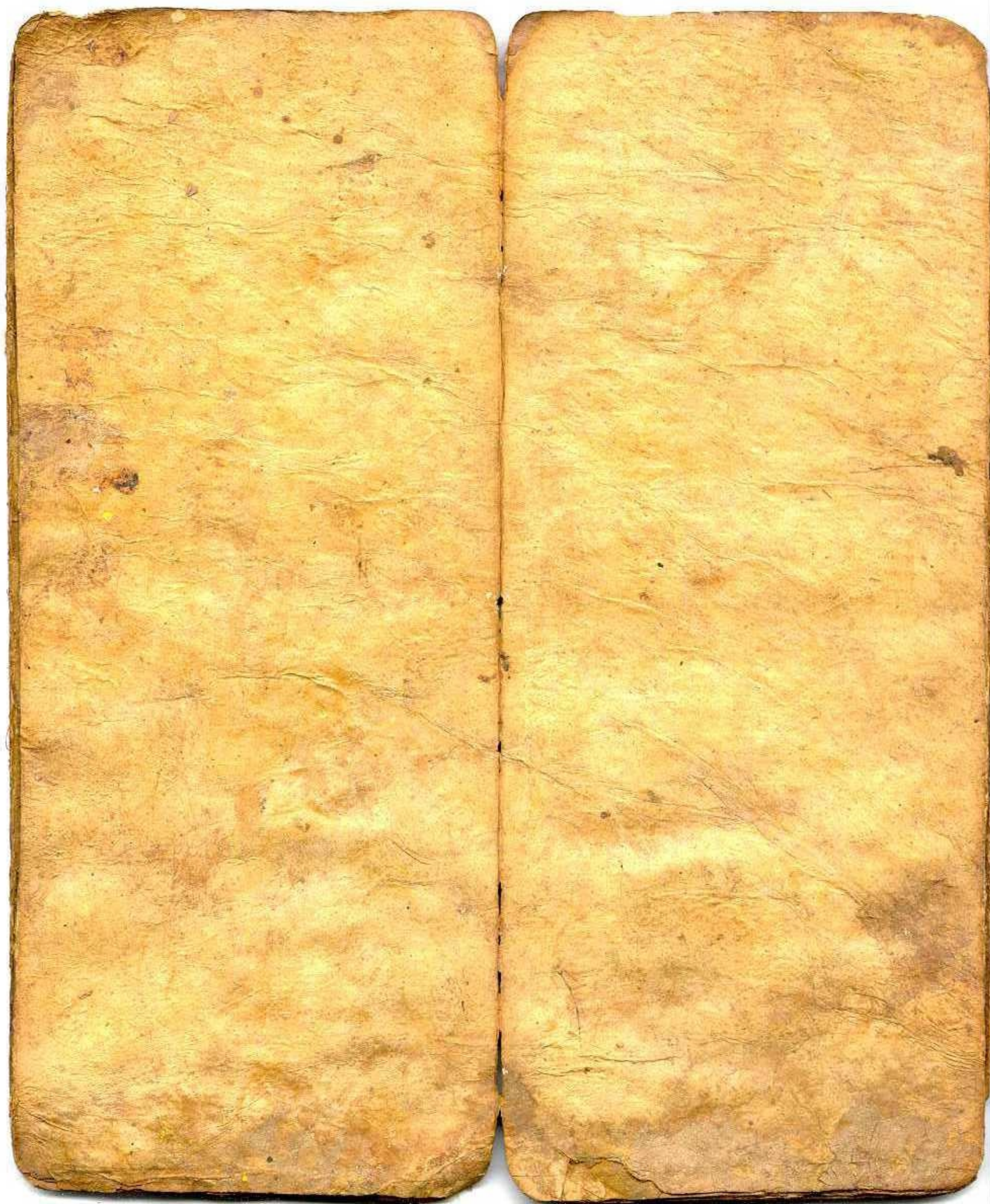
सर्वज्ञानमयः प्रभवः
वैश्वानरः सर्वभूतानां
हृदि निवासिन् ॥

५
 ६
 ७
 ८
 ९
 १०
 ११
 १२
 १३
 १४
 १५
 १६
 १७
 १८
 १९
 २०
 २१
 २२
 २३
 २४
 २५
 २६
 २७
 २८
 २९
 ३०
 ३१
 ३२
 ३३
 ३४
 ३५
 ३६
 ३७
 ३८
 ३९
 ४०
 ४१
 ४२
 ४३
 ४४
 ४५
 ४६
 ४७
 ४८
 ४९
 ५०
 ५१
 ५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

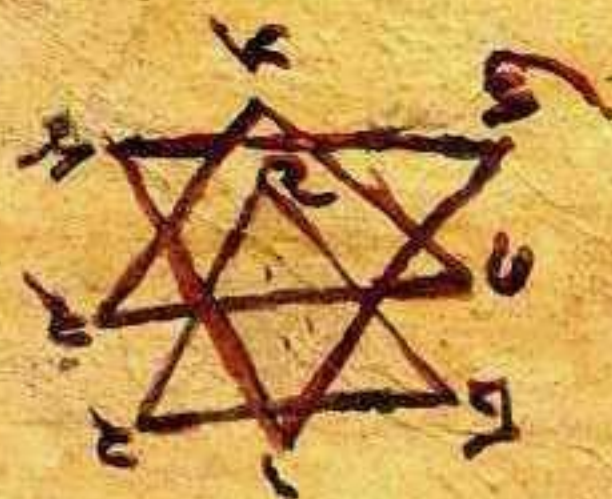
द्रव ॥ स्यात् ॥ न ॥ सुते दुग्धादयो सत्यानां पापहानिर्ही ॥ गुला
 कदाननी पुण्यं स्वस्तिनी पवनम ॥ सिंहासनसमानं
 राखकैरुतकैश्चादिही ॥ स ॥ एता एता एता यदि
 तासूनसूदनी ॥ ६३ कुर्वित्वा यत्कुर्वित्वा यत्कुर्वित्वा
 कुर्वित्वा यत्कुर्वित्वा ॥ कुर्वित्वा यत्कुर्वित्वा यत्कुर्वित्वा
 नी ॥ ६३ सवर्धुयिविगीता ग्रिभगा कल्लासना ॥ यद्यपि न सिं
 ता लक्ष्मी वीदिता मिनिर्क ॥ यत्कुर्वित्वा यत्कुर्वित्वा

(१) ननु मन्दिना ॥ दन्दि ॥ दाव न दा दयी वैदिगा सिद्धि कं ध्यनी
 ॥ सवो लीक्षान रसर्ष ॥ सर्व लक्ष दार्सेयता ॥ सर्व सिद्धि युदा
 दयी वैदिगा सर्व र्म ॥ नृद प्रिय गन्ना नि र्णै नृदा ठा सि
 ति ह गव ॥ यु लय स्त्रि ति म् लन वैदिगा न्या स्त्रि कं ध्यनी ॥ इ
 न इः रवाण हा विह्य लक्ष्मी र्म ददायिनी ॥ य ४ य ७ सु ति
 मान न्दी म् ग यो गा दि नृ द्वा ले ॥ वृग का मान या द्यो स्व स्त्रा न्ना
 ह्य प्र सा द ग ॥ पाथा ह ॥ ध्व य य न्ना डी लु या या ग य ॥





ASHA ARCHIVES
2987



॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript. The text is written in black ink on aged, yellowed paper. It consists of approximately 20 lines of text, with some lines starting with a red vertical line. The script is dense and appears to be a form of Sanskrit or a related language.

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript. The text is written in black ink on aged, yellowed paper. It consists of approximately 20 lines of text, with some lines starting with a red vertical line. The script is dense and appears to be a form of Sanskrit or a related language.

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is densely packed and appears to be a continuous passage, possibly a prayer or a historical record. The ink is dark brown/black on aged, yellowish paper.

Handwritten text in a script, likely Indic, on aged paper. The text is arranged in approximately 20 horizontal lines. The script is dense and appears to be a form of Devanagari or a related Indic script. The paper shows signs of wear, including discoloration and some staining, particularly at the bottom.